आदित्य ठाकरे के हाथों सिल्वर जुबली ब्रेक थ्रू

७८ फीसदी टनल का काम पूरा

मेट्रो-३ का ५० फीसदी से अधिक काम पूरा

सामना संवाददाता / मुंबई

यातायात की दृष्टि से कुलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो-३ अंडरग्राउंड परियोजना बहुत ही महत्वपूर्ण है। मेट्रो-३ से रोजाना सफर करनेवाले यात्रियों की परेशानी दूर होगी। इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए हम कटिबद्ध हैं, ऐसा विश्वास पर्यटन व पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कल व्यक्त किया। वरली में कल अंडर ग्राउंड मेट्रो का २५वां टीबीएम आर-पार हुआ। यह टीबीएम अंडर ग्राउंड मेट्रो के पैकेज-३ के तहत कल आर-पार हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद आदित्य ठाकरे कल इस सिल्वर जुबली ब्रेक थ्रू के गवाह बने।

मेट्रो-३ की अंडर ग्राउंड खुदाई का काम ७ पैकेज में हो रहा है। कल वरली में पैकेज-३ का पहला टीबीएम आर-पार हुआ। मेट्रो-३ मार्ग के अंतर्गत किए जा रहे टनल खुदाई के कामों में पैकेज-३ सबसे लंबा है। इस पैकेज के अंतर्गत मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, साइंस म्यूजियम, आचार्य अत्रे चौक और वरली स्टेशन का समावेश है।

पैकेज-३ ने पूरी की २,०७३ मीटर खुदाई पेज २

पैकेज-३ ने पूरी की २,०७३ मीटर खुदाई

सामना संवाददाता / मुंबई

मेट्रो-३ का काम तेजी से अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा है। इस मेट्रो का ५० फीसदी काम पूरा हो चुका है। टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) मशीन ने भूमिगत खुदाई का काफी हिस्सा पूरा कर दिया है। पैकेज-३ की टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तानसा-१ ने साइंस म्यूजियम के उत्तर दिशा से २७ सितंबर २०१८ को काम करना शुरू किया था। १६ महीनों की कठिन परिश्रम कर कई भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अप लाइन टनल की २,०७३ मीटर खुदाई का काम कल पूरा हुआ। इस टनल खुदाई के लिए १,३८१ सेगमेंट रिंग्स का इस्तेमाल किया गया। कल पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने इस मेट्रो-३ के विकास कार्य का जायजा लिया।

मेट्रो-३

मेट्रो-३ मार्ग का काम प्रगतिपथ पर होता हुआ देखकर अच्छा लग रहा है। इस परियोजना का अब तक करीब ७८ फीसदी टनल खुदाई का काम पूरा हो चुका है जबकि इस परियोजना का कुल मिलाकर ५० फीसदी से अधिक निर्माणकार्य पूरा हुआ है। मुझे विश्वास है कि एमएमआरसी इसी जोश व गति से इस परियोजना का काम जारी रखेगी, ऐसा भी आदित्य ठाकरे ने कहा।

एमएमआरसी के व्यवस्थापकीय संचालक रणजीत सिंह देओल ने कहा कि इस परियोजना के एक और हिस्से का काम पूरा होने के कारण मुझे खुशी है। हमारे इंजीनियरिंग व तकनीकी जानकारों की टीम ने इस चुनौती पूर्ण काम को बड़े ही सरलता से पूरा किया है। अब तक उपनगरीय रेलवे द्वारा न जोड़े गए मुख्य व्यापारी केंद्रों को पैकेज-३ के द्वारा जोड़ा जा रहा है। मेट्रो-३ का काम पूरा हो जाने पर जब मेट्रो का परिचालन शुरू होगा तो ये मेट्रो मार्ग यात्रियों के लिए संजीवनी साबित होगा, ऐसा विश्वास भी देओल ने व्यक्त किया।

टनल के निर्माणकार्य में हजारों मजदूर सहित कई इंजीनियर रात-दिन लगे हुए हैं। इन्हीं मजदूरों और इंजीनियरों की मदद से मुंबई की कोख में अब तक ७८ फीसदी अंडर ग्राउंड टनल का निर्माणकार्य पूरा हो चुका है। महज १५ किमी टनल का काम होना बाकी है, जिसे पूरा करने का लक्ष्य मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दिसंबर २०२० तक रखा है। बता दें कि अब तक अंडर ग्राउंड मेट्रो टनल का निर्माण कार्य ७८ प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि टनल खुदाई के लिए ३२ टीबीएम में से २५ टीबीएम ने अपना काम पूरा कर लिया है। महज ७ टीबीएम मशीन को अपना काम निर्धारित समय पर पूरा करना है। मेट्रो-३ के टनल खुदाई का काम १७ टीबीएम मशीन से पूरा किया जा रहा है।

विशेषताएं -

- प्रत्येक ट्रेन में २,५०० यात्री क्षमता।
- रोजाना १७ लाख यात्री करेंगे यात्रा।
- कुलाबा से सीप्ज की दूरी महज १ घंटे।
- अंडर ग्राउंड मेट्रो ६ बिजनेस केंद्र और रोजगार सेंटर को कनेक्ट करेगी।
- मेट्रो-३ अपने नियोजित मार्ग के अलावा उपनगरीय लोकल रेलवे, मोनोरेल, बस सेवाओं को कनेक्ट करेगी।
- मेट्रो-३ के कारण १५ फीसदी यात्रियों की संख्या में आएगी गिरावट।
- अंडर ग्राउंड मेट्रो से ३० एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, १३ अस्पताल, १४ धार्मिक स्थलों पर जाने में आसानी होगी।
- मेट्रो में प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर, आपातकालीन बचावकार्य सुविधा और २४ घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रहेगी।